

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

धारा न्यूज समवाददाता, गाजियाबाद

आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा "इमेजिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए, 3डी, इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री" विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में



प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी "अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिंसिपल इन नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक

अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को "पेरियोडेंटल डिजीज, ओरल कैंसर और ट्यूथ वियर रिस्क असेसमेंट" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

सुनहरा संसार वन्दना जोशी
संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्याइमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री ह्याइ विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके



साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्याइअर्टैनिंग द मैक्सिमम प्रिंशियन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड

रिसर्च ह्याइ विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को

ह्याइपेरियोडॉन्टल डिजीज, ओरल कैसर और ट्यूथ वियर रिस्क असेसमेंट ह्याइ विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और ट्यूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके ट्यूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

Muradnagar

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन।

स्वयं भारत आस मोहम्मद ब्यरो चीफ

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्यद्विजमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री ह्यद्विज विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-



तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी. टी. की भूमिका पर हैड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्यद्विजमर्जिंग द मैक्सिमम प्रिंसिपल इन नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च ह्यद्विज विषय पर

विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया कि वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के

द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडॉन्टल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट ह्यद्विज विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट पर हैड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

Buland Sandesh

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

बुलन्द संदेश व्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असाहत नगर के निकट स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन

समूह में विभाजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमेजिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी.- ए.3डी.

इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये, जिसमें सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गई।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी हवाइअटैनिंग द मैक्सिमम प्रिंसिपल इन चेर साइड एंड नॉन इनवेसिव

मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके

महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।



Sign:

Dental Library

Director- Principal

Krishna Ujjala Samvaddata

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

कृष्ण उज्जाला संवाददाता
गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पैथलॉजिकल हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा हार्डवेयर रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए, 3डी, इमेजिंग पोटेंशियल इन डेन्टिस्ट्री हार्ड विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैड्स-ऑन प्रस्तुत किये



गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी, और 3डी, इमेजिंग गैर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रीटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैड्स-ऑन दिया गया और

इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डियों की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी हार्डवेयरिंग द मैक्सिमम प्रिंसिपल इन चेंबर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलॉजी इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च हार्ड विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये



जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया कि वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके

साथ-साथ इस विषय पर हैड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टमेटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पैथलॉजिकल हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को हार्डवेयरिंग डेंटिज, ओरल कैंसर और ट्यूमर विवर रिस्क असेसमेंट हार्ड विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उनके मूल्यांकन से

अवगत कराया तथा छात्रों को पैरियोडेंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पैरियोडेंटल रिस्क असेसमेंट पर हैड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ को निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्प्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एजामिनेशन (बैड डब्ल्यूई) और ट्यूमर विवर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके ट्यूमर रिस्क असेसमेंट पर एक हैड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द फ्यूकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चट्टा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चट्टा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का हुआ आयोजन



जन सागर टुडे (स)
मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया।
इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।
इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग

की फैकल्टी द्वारा इमेजिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की

गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।
ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इनचेयर साइड एंड नॉन इनचेसिव मेथोडोलॉजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं।
इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका

के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।
पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडेंटल डिजीज, ओरल कैंसर और ट्यूथ वियर रिस्क असेसमेंट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडेंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडेंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने

विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर वैसिक इरोसिव वेयर एजामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं।
इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वार्डन चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटरन्स के लिए

क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटरन्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटरन्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा "इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडैलिटी इन डेन्टिस्ट्री" विषय पर प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रीटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इमप्लान्ट प्लानिंग करने में



सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैड्स-अप दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी "अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिंसिपल इन नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलॉजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया

की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं।

इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैड्स-अप भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टमेटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ह्याडपेरियोडॉन्टल डिजीज, ओरल कैंसर और ट्यूमर वियर रिस्क असेसमेंट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट पर हैड्स-अप दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया

गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडव्यूई) और ट्यूमर वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैड्स-अप दिया गया तथा डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

Dainik Hint Samvaddata

Date: 05.03.2025

आईटीएस में क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट के मॉड्यूल का आयोजन



हिन्ट संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों की ओर से बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। तीन समूहों में आयोजित हुये इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि

के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत करना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की ओर से छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये



सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी ने छात्रों को दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके ज्ञान बढ़ाने की प्रक्रिया को समझाया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया। छात्रों के साथ फंडमेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक

हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी ने छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया।

इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को लेकर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

मुरादनगर (हिन्द आत्मा)। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया। जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना रहा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. -ए. 3 डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये। इसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी। उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य



2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया गया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी अटैनिंग द मैक्सिलम प्रिंसिपल इन

नचेयर साइड एंड नॉन इनवैसिव मेथोडोलॉजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। व्याख्यान में उन्होंने सभी छात्रों को बताया कि वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इस विषय पर हैंड्स-

ऑन भी दिया गया। छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पैरियोडॉन्टल डिजीज, ओरल कैंसर और ट्यूमर विषय पर रिसर्च असेसमेंट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पैरियोडॉन्टल रिसर्च असेसमेंट टूल का उपयोग कर पैरियोडॉन्टल रिसर्च असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया

और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडव्यूई) और ट्यूमर विषय पर इन्फ्लेमेशन सिस्टम का उपयोग कर ट्यूमर रिसर्च असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

आईटीएस कॉलेज में क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता
मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटेर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटेर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत करना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैंकल्टी द्वारा "इमर्जेंसी रोल ऑफ सीबीसीटी- ए, 3डी, इमेजिंग

मोडेलिंग इन डेंटिस्ट्री" विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी, और 3डी, इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये

भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैंकल्टी द्वारा भी "अटैनिंग द मैक्सिमम प्रेसिशन इन चेंबर साइड एंड नॉन इनवैसिव मेथोडोलॉजीज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च" विषय पर जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया कि यह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पोसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पोसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद



छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की फैंकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को "पेरियोडेंटल डिजीज, ओरल कैंसर और ट्यूमर विवर रिस्क

असेसमेंट" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडेंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडेंटल रिस्क

असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषतः कौ निएरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक होसिव वेयर एग्जामिनेशन (वीईडब्ल्यूई) और ट्यूमर विवर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके ट्यूमर विवर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा टेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-ए एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वार्डन चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के मॉड्यूल का आयोजन

● **અન્ય ઓફ સર્વિસ**

मुहानगर। नगर में आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एवं एडिजेंटोथोपिक, ओरल पैथोलॉजी एवं फिजिकल हेल्थ टेक्नीशियन को द्वारा बीटीएस इंटर्न के तिले दो दिवसीय कार्यकाल एकेडमिक एनर्नसशिप को के दुरारे मईदूल का आयोजन किया गये। कार्यकाल में 85 इंटर्न छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गये। उदघाटन कार्यक्रम को रत विभिन्न के सेज में उनके कार्यकाल ज्ञान में वृद्ध के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपहार की प्रक्रियाओं से अवगत करात गये। दो दिवसीय कार्यकाल के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एवं एडिजेंटोथोपिक विषय की फेकल्टी द्वारा प्रैक्टिस रोल और सी.बी.सी.टी. - ए. उडी. मेडिसिन मेडिसिन इन टेक्नीशियन विषय में सेशन व्याख्यान और हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रम



और अन्य 2डी. और 3डी. दोमिनॉ
और-ताकियों के अंश को रेखांकित
किया तथा छात्रों को दोमिनॉ प्रिंटिंग
नर्वेडिंग और ऑटोफिन्डिंग के बारे में
प्रतिष्ठित किया गया। छात्रों को दोमिनॉ
प्राप्ति के बारे में खोजी, सीटी, सी
चुपिका पर हट्टुस-अनंदिता मया, मित्र
और मदन के विरुद्ध के विभिन्न प्रकार
की हठ्टी की गुणवत्ता का आकलन
करने के लिए खोजी, सीटी, सी
का अन्वय करने के साथ छात्रों को
दोमिनॉ को पढ़ने एवं प्रकाश करने के
लिए भी प्रतिष्ठित किया। अंतराल
पेयोवोडिंग विभाज्य को फैकटरी द्वारा भी
हट्टुस-अनंदिता 2 मैक्सिमम प्रिंटिंग ह
नयेवर साइट एंड नोन इनिशियल



मनोदोलोमिजिज इन हाथमोरोस एंड
सिखपाडा विषय पर विविधन प्रत्यक्षन
प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सा-
छाजों को बताया की वह कैसे द-
विषिकता के अध्यास में सिख एवं
विभिन्न प्रकार के अपजन्म करके
अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके
साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली
और सीसीक अनुसंधान में इसके
मार्ग के बारे में छात्रों को अवगत
कराया तथा छात्रों को जीडीएसस की
धूम्रपान के बारे में भी बताया गया
कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर
कार्यप्रणाली के मूल सिद्धांतों के बारे
में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस
विषय पर टीएस-अनैनी भी दिखाया

छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेम्स के रिज्यू के बारे में सभी वर्षों की गयी। पहिलक इलाहा डेटिस्टी विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पैरिफोरिडल रिज्यूज, ओरल क्वेश और दूध विन्सर रिस्क असेसमेंट विन्सर पर विविध व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। डिजम्बे में उन्होंने छात्रों को इस विन्सर से जुड़े ओजेक्शंस एवं उनके मूल्यांकन से अभिन्न कानून तथा छात्रों को पैरिफोरिडल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पैरिफोरिडल रिस्क असेसमेंट पर हैट्स-ऑन दिया गया। छात्रों ने मिलेजुल को विन्सर में दर्जियों पर इसका अभ्यास भी किया। छात्रों को केज्ज विन्सर पर एक व्याख्यान

प्रद्युत किया गया और छात्रों को परीक्षा पर वैयक्तिक दृष्टिकोण के लिए एकाग्र किया गया (वीडियो प्रस्तुत) और दूसरे विषय नीति-मूलक विस्तार का उपयोग करके दूसरे विषय के अंतर्गत पर एक ही तरह - और दिशा में तब से देखेंगे कि नीति क्या है। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को कौशलिक, एक-एकिक के क्षेत्र में संशोधन ज्ञान प्राप्त हुआ है। जिसके लिये सभी ने आईआईएस-ए एनकेडमि सुखी के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चक्रावती का धन्यवाद दिया है। अर्थात् चक्रावती को धन्यवाद देना है।

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में किया गया

क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटेन्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटेन्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्याड्रामार्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री ह्याड्र विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य



2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी

प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्याड्रामार्जिंग द मैक्सिमम प्रिंसिपल इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजि इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च ह्याड्र विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को

अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ह्याड्रामार्जिंग डिजीज, ओरल कैंसर और ट्यू वियर रिस्क असेसमेंट ह्याड्र विषय पर विभिन्न

व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बोर्डब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

Pahal Today

Date: 05.03.2025

आई0टी0एस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिएक्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन



आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा “इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. – ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री” विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

Sign: _____

Dental Library

Director- Principal

इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी “अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज़ इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च” विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को “पेरियोडॉन्टल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट” विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Uday Bhoomi Samvaddata

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लिनिकल एकेडमिक एनहांसमेंट कोर्स का आयोजन

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहांसमेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत करना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्युमरस रोल ऑफ सीबीसीटी - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री द्वारा विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सीबीसीटी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने



सीबीसीटी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नव ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सीबीसीटी. की भूमिका पर हैड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सीबीसीटी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्युमरस रोल ऑफ सीबीसीटी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने

नॉन इनवेसिव मेथोडोलॉजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च द्वारा विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अप्पारा में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पॉसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पॉसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ



फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमेटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ह्युमरस रोल ऑफ डेंटल डिजीज, ओरल कैंसर और ट्यूमर विवर रिस्क असेसमेंट द्वारा विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडेंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडेंटल रिस्क असेसमेंट पर हैड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा

विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और ट्यूमर विवर इन्वेसिवेशन रिस्क का उपयोग कर के ट्यूमर रिस्क असेसमेंट पर एक हैड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

Yug Karvat

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए इनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन

गाजियाबाद (युग करवट) आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन, रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे माड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया, जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित कर, छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया।

दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा 'इमेजिंग रोल ऑफ सीबीसीटी-ए, उडी इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री' विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने



सभी छात्रों को सीबीसीटी के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गयी। छात्रों ने सीबीसीटी के प्रमुख और अन्य 2डी और उडी इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रीटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के

बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सीबीसीटी की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये

सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी "अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिंसिपल इन नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को "पेरियोडेंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये।

इस कार्यक्रम में छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ, जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____

Dental Library

Director- Principal

Manasvi Vani

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

जनस्वी वाणी, संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों द्वारा बीबीएस इंटेन्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटेन्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्यमजिंग रोल ऑफ सीबीसीटी - ए. 3डी इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये। छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सीबीसीटी की



भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सीबीसीटी सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्यअटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के

मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमेटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडेंटल डिजीज ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडेंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके

पेरियोडेंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लिनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ। सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

Ten News

Date: 05.03.2025



ITS डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

Sign:

Dental Library

Director- Principal

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा “इमेजिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. – ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री” विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी “अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज़ इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च” विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को “पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट” विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Aap Abhi Tak

Date: 06.03.2025

क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

कार्यक्रम

- कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया

संवाददाता (आप अभी तक)

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के



दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए, 3डी, इमेजिंग मोडैलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी, और 3डी, इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और ऑर्टोफेक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही

छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार को हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिंसिपल इन नेचर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलॉजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये

जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा

की गयी।

पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडॉन्टल डिजीज, ओरल कैन्सर और टूथ विपर रिस्क असेसमेंट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया

गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव चेंबर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ विपर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ विपर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमेंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपरान्त से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चट्टा तथा चार्टर्ड चेयरमैन अर्पित चट्टा को धन्यवाद दिया।



Sign:

Dental Library

Director- Principal

Vartman Satta

Date: 06.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में दूसरे मॉड्यूल का आयोजन



वर्तमान सत्ता दिवसीय कार्यक्रम के दौरान आईटीएस मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज, के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग के ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटरनर्स के लिये दो दिवसीय क्लिनिकल एकेडमिक एनहेंसमेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 85 इंटरनर्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लिनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो

पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैंकल्टी द्वारा "इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी.-ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री" विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लान्ट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैंकल्टी द्वारा भी "अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिंसिपल इन नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजीज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे में बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैंकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को "पेरियोडॉन्टल डिजीज, ओरल कैंसर और दूध वियर रिस्क असेसमेंट" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडॉन्टल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वार्ड्स चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library

Director- Principal